हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार 16 फरवरी 2026

11 शोभायात्रा से की हिंदू सम्मेलन की शुरुआत

12 महाशिवरात्रि पर शिवालयों में गूंजे बम भोले के जयकारे

खबर संक्षेप

रेवाड़ी खेड़ा में कई वाहनों की बैट्रियां चोरी

बहादुरगढ़। रेवाड़ी खेड़ा गांव की गलियों में खड़े के कुछ वाहनों को चोरों ने निशाना बना लिया। चोर दो बस व दो ट्रैक्टरों की बैट्रियों सहित अन्य सामान चुरा ले गए। इस वारदात से वाहन मालिकों को काफी नुकसान हुआ है। रेवाड़ी खेड़ा के निवासी संदीप का कहना है कि 13 फरवरी को उसने अपने मकान के सामने गली में ट्रैक्टर खड़ा किया था। शनिवार की सुबह देखा तो ट्रैक्टर की बैट्री गायब थी। आसपास पूछताछ की तो पता चला कि राकेश के ट्रैक्टर व मनबीर की बस से भी बैट्रियां गायब हैं। जबकि एक अन्य बस से रॉड व गोटी चोरी हुई है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

गांव कोयलपुर में किसान मेला आज

झज्जर। सोमवार को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा गांव कोयलपुर में जिलास्तरीय किसान मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसमें डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। प्रवक्ता ने बताया कि किसान मेले में कोयलपुर, खेतावास तथा आसपास के सभी गांवों के किसानों को आमंत्रित किया गया है ताकि वे विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर उनका अधिक से अधिक लाभ उठा सकें।

बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक 2 मार्च को

बहादुरगढ़। बहादुरगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को लेकर सर्कुलर जारी किया गया है। सोमवार 2 मार्च को गोरैया पर्यटन केंद्र में संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा होगी। एजीएम में बीते वर्ष की गतिविधियों की समीक्षा, आय-व्यय का विवरण, आगामी योजनाओं पर चर्चा तथा अन्य प्रशासनिक विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। महासचिव सीए अखिल मित्तल ने सदस्यों से समय पर उपस्थित होकर निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने का आग्रह किया गया है।

जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आज

झज्जर। सोमवार को जनता की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाए जाएंगे। प्रवक्ता ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल और उपमंडल स्तर पर संबंधित एसडीएम लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनेंगे। इन शिविरों में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निपटान किया जाएगा।

बहादुरगढ़ के 44 गांवों में स्वच्छता अभियान सिर्फ पोस्टरों तक सिमटा

सफाई पर साढ़े 5 करोड़ खर्चने के बावजूद गांवों में जलभराव, गंदगी की भरमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

केंद्र सरकार द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत गांव-गांव स्वच्छता की तस्वीर बदलने के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। हर साल करोड़ों रुपये बजट में स्वीकृत होते हैं। बहादुरगढ़ ब्लॉक में 44 गांव हैं। यहां सफाईकर्मियों के वेतन पर ही प्रतिमाह करीब 45 लाख रुपये खर्च होते हैं यानी वर्ष में करीब साढ़े पांच करोड़ रुपये। इसके अलावा शौचालय, नालियां, सफाई और कचरा प्रबंधन के नाम पर भी योजनाएं चलती हैं, लेकिन हकीकत यह है कि खंड के ज्यादातर गांव आज भी बुनियादी स्वच्छता से कोसों दूर हैं। गांव जाखोदा की गलियों में सीवर का गंदा पानी भरा है। सांखोल गांव की कई गलियों में से गुजरना भी मुश्किल है। ऐसे ही हालात उपमंडल के अन्य गांवों में भी हैं, जो सरकार के दावों पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

क्षेत्र के गांव सांखोल, खरहर, परनाला व जाखोदा समेत अधिकांश गांवों में हालात चिंताजनक बने हुए हैं। गांवों की मुख्य सड़कों और गलियों में गंदा पानी जमा है। कई स्थानों पर नालियां या तो बनी ही नहीं हैं या फिर नियमित रूप से साफ नहीं हो रही हैं। नतीजा यह कि घरों से निकलने वाला गंदा पानी सड़कों पर फैल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात हो या न हो, सड़कों पर पानी भरा रहता है। बच्चों को स्कूल जाने में दिक्कत होती है, बुजुर्ग फिसलकर गिरने के डर से घरों में कैद रहने को मजबूर हैं। वहीं महिलाएं रोजमर्रा के कामों के लिए गंदे पानी से होकर गुजरने को विवश हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का भी मानना है कि लगातार जलभराव और गंदगी से संक्रामक रोग, त्वचा रोग, पेट की बीमारियां और बच्चों में संक्रमण का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसके बावजूद प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस और स्थायी कार्ययोजना नजर नहीं आती।

वहीं, ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि स्वच्छता अभियान की जमीनी स्तर पर निष्पक्ष जांच कराई जाए। जो भी दोषी हो, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

गंदगी से भरी गलियों की ये तस्वीर सफाई अभियान की खोल रही हैं पोल

बहादुरगढ़। गांव जाखोदा की गली में भरा गंदा पानी।

बहादुरगढ़। गांव सांखोल की सड़क पर फैली गंदगी।

सफाई कर्मियों की बढ़ाई जाए संख्या : राठी

गांव सांखोल निवासी हरिओम राठी के अनुसार स्वच्छता अभियान के नाम पर हर साल बजट आता है, लेकिन गांव में न तो पर्याप्त सफाई कर्मचारी दिखाई देते हैं और न ही जलभरव का कोई स्थाई समाधान हो रहा है। गांव में केवल 4 सफाई कर्मचारी हैं, जबकि आबादी कई हजार है। ऐसे में सफाईकर्मियों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए।

जाखोदा में जलभराव से पनपे मच्छर : दलाल

विजय दलाल बताते हैं कि गांव जाखोदा में हालात और भी बदतर हैं। यहां कई गलियों में जलभराव के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। चूंकि यहां गांव की मूल आबादी के अलावा हजारों प्रवासी श्रमिक भी किराए पर रहते हैं तो समूची जलनिकासी व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। न तो नालियों की सफाई होती है और न ही जल निकासी की व्यवस्था सुधारी गई।

2011 की जनसंख्या के आधार पर हैं सफाई कर्मी

स्वच्छता अभियान को लेकर सरकार और विभाग पूरी तरह संजीदा है। सरकार द्वारा 2011 की जनसंख्या के आधार पर सफाईकर्मी नियुक्त कर रखे हैं। ये ग्राम पंचायतों के अधीन कार्यरत हैं। पंचायतें अपने स्तर पर आवश्यकता अनुसार संसाधन जुटाकर सफाई करवाती हैं।

- सुरेंद्र खत्री, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी

याकूबपुर के पास ब्रेकर पर असंतुलित हुई बाइक

बाइक की अज्ञात वाहन से टक्कर, युवक की मौत

- हादसे में घायल दूसरे युवक दीपांशु को प्राथमिक उपचार के बाद पीजीआई रेफर किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

क्षेत्र के गांव याकूबपुर में मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ने के कारण हुई सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान हांसी के कृष्णा कॉलोनी निवासी करीब 25 वर्षीय मोहित पुत्र लक्ष्मीनारायण के तौर पर हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मोहित अविवाहित था तथा पत्राचार के माध्यम से पढ़ाई करता था।

शनिवार की रात वह अपने साथी दीपांशु के साथ मोटरसाइकिल पर किसी काम से गुरुग्राम जा रहा था। जब वे याकूबपुर गांव के बस स्टैंड पर पहुंचे तो चौक पर ब्रेकर होने के कारण उनकी बाइक का संतुलन बिगड़ गया और बाइक आगे चल रहे वाहन से टकराकर गिर गई। इस घटना में आई गंभीर चोटों के बाद राहगीरों की मदद से दोनों घायल युवकों को उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने मोहित को मृत घोषित कर दिया जबकि गंभीर रूप से घायल दीपांशु को प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। मामले के जांच अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि इस संबंध में घायल दीपांशु के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस द्वारा इस संबंध में नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

झज्जर। अस्पताल में पोस्टमार्टम के दौरान उपस्थित मोहित के परिजन।

टैंपो की टक्कर से बाइक सवार दंपति घायल

बहादुरगढ़। गांव मांडोठी में टैंपो और बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी घायल हो गए। उन्हें नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पाकर मांडोठी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घायलों के बयान लिए। मांडोठी के निवासी ओमप्रकाश ने कहा है कि वह अपनी पत्नी के साथ बाइक पर सवार होकर सांपला जा रहा था। जब मांडोठी-रोहद रोड पर नहर के पास पहुंचे तो पीछे से एक टैंपो ने टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में हमें काफी चोट आई। उधर, शिकायत के आधार पर मांडोठी चौकी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रजत ने नेशनल फेडरेशन कप में जीता गोल्ड मेडल

- रजत ने 125 किलोग्राम भारवर्ग में छत्रसाल अखाड़े के लक्ष्य पहलवान को शिकस्त दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

उत्तर प्रदेश में हुए नेशनल फेडरेशन कुश्ती कप में अंतरराष्ट्रीय हेवीवेट पहलवान रजत रुहल छाए रहे। शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत ने 125 किलोग्राम भारवर्ग में गोल्ड मेडल जीता। उनकी जीत पर परिजनों, साथी पहलवानों और कुश्ती प्रेमियों ने खुशी जताई है।

गत 12 से 14 फरवरी तक गाजियाबाद में यह आयोजन हुआ था। कई नामी व प्रतिभाशाली पहलवानों ने इसमें भाग लिया। रोहद गांव के रजत रुहल पहलवान ने भी जोर आजमाइश करते हुए दमदार प्रदर्शन किया। क्वार्टर फाइनल में पंजाब और सेमीफाइनल में महाराष्ट्र के पहलवान को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में छत्रसाल अखाड़े के लक्ष्य पहलवान को शिकस्त देकर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। रजत गांव रोहद के रहने वाले हैं और पिछले कुछ वर्षों से मांडोठी स्थित हिंद केसरी सोनू अखाड़े में अर्जुन अवॉर्डी कोच धर्मेंद्र दलाल के मार्गदर्शन में अभ्यास करते हैं। लगातार राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीतकर देश-प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। रजत का सपना ओलंपिक स्तर पर देश के लिए मेडल जीतना है।

बहादुरगढ़। प्रमाण पत्र हासिल करते पदक विजेता पहलवान रजत रुहल।

सप्लीमेंट सप्लाई के नाम पर जिम संचालक से ठगी

बहादुरगढ़। इंस्टाग्राम के माध्यम से सप्लीमेंट की डील करना एक जिम संचालक को महंगा पड़ गया। सप्लाई तो आई नहीं, वह एक लाख 87 हजार रुपये भी गंवा बैठा। उसकी शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वारदात नयागांव के निवासी राजेश के साथ हुई है। पुलिस को दी शिकायत में राजेश ने कहा है कि सेक्टर 9 में उसकी जिम है और वह सप्लीमेंट का भी व्यवसाय करता है। कुछ दिन पहले इंस्टाग्राम पर एक अकाउंट देखा। उस अकाउंट से सप्लीमेंट के संबंधत में बातचीत हुई। आरोपी ने अपने दो नंबर शेयर किए। बातचीत के बाद डील हो गई और उसके कहे अनुसार मैंने एक लाख 87 हजार 250 रुपये भेज दिए। रुपये भेजने के बाद सप्लाई नहीं आई। शातिर से जब भी पूछता तो कहता कि सप्लाई आ जाएगी। फिर उसने मुझे ब्लॉक कर दिया। इसके बाद मैंने साइबर क्राइम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई। उधर, पुलिस का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है।

अव्यवस्था | टैक्सी स्टैंड पर पुलिया निर्माण न होने से परेशानी

खुले नाले की वजह से बढ़ रही गंदगी व हादसे का खतरा

सफाई के दो माह बाद भी नाले पर नहीं लगाए ढक्कन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

नगर परिषद द्वारा शहर में जगह-जगह पर नालों की सफाई का कार्य किया जा रहा है। वहीं, शहर के टैक्सी स्टैंड पर नाले की सफाई के बाद उसे खुला छोड़े जाने के कारण वह फिर से गंदगी से अट गया है। दुकानदारों का कहना है कि उनके यहां पिछले कई माह से नाला अवरुद्ध पड़ा था।

करीब दो माह पहले कर्मचारियों द्वारा पुलिया तोड़ कर यहां नाले की सफाई की गई थी, जिसके बाद न तो अभी तक पुलिया निर्माण किया गया और न ही नाले पर ढक्कन लगाए गए। टैक्सी संचालक बलबीर, सूरजमल, सुनील, इंद्र, ईश्वर ने बताया कि पहले वे अपनी गाड़ियों को नाले के ऊपरी हिस्से में खड़ी कर लेते थे, जिससे उन्हें बुकिंग मिल जाती थी। अब सड़क पर गाड़ी खड़ी नहीं की जा सकती और पुलिया निर्माण न होने के कारण उन्हें गाड़ी सड़क तक लाने के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ता है।

दुकानदार देवा, विजय, होशियार, कुक्कू व जग्गी आदि ने बताया कि नाले पर ढक्कन न रखे जाने की वजह से सड़क का कूड़ा कर्कट फिर से नाले में गिर रहा है। नाले को देखकर लगता है कि इसे अभी भी सफाई की जरूरत है। पूरा दिन नाले से उठती दुर्गंध भी परेशानी का कारण बनी है। खुले नाले से हादसे का भी खतरा रहता है। उन्होंने जिला प्रशासन से समस्या के जल्द समाधान की गुहार लगाई है।

झज्जर। खुले नाले के साथ खड़े दुकानदार व टैक्सी संचालक।

मोबाइल फोन के नुकसान

मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इससे बच्चों में एकाग्रता की कमी, चिड़चिड़ापन, नींद की समस्या और आंखों की रोशनी कम होने जैसी गंभीर समस्याएं हो रही हैं। यह बच्चों के संज्ञानात्मक विकास को भी धीमा करता है और उन्हें सामाजिक रूप से अलग-थलग कर सकता है, साथ ही मोटापा और विटामिन डी-3 की कमी जैसी शारीरिक बीमारियां भी पैदा करता है।

जब 'ऑनलाइन' नहीं, 'आंगन' में होता था बचपन

शाम होते ही गलियां 'हरे समंदर गोपी चंदर' के सुरों और 'कबड्डी' की हुंकार से गुलजार हो उठती थीं। आज की सूनी गलियों को देख मन उस बेफिक्र अतीत के लिए कसकता है। आज यह आलेख उसी सुनहरे दौर, उन बिसरे खेलों और माटी से जुड़ी उन यादों को फिर से जीने का एक विनम्र प्रयास है, जो अब केवल किस्सों में शेष रह गई हैं।

खेल

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

याद कीजिए अपना बचपन, जब हरियाणा की संस्कृति में खेलों का स्थान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि यह जीवन जीने का एक तरीका था। आज के डिजिटल युग में, जहां बचपन 6 इंच की स्क्रीन में सिमट कर रह गया है, वहीं एक दौर ऐसा भी था, जब बच्चों की दुनिया घर की देहरी से शुरू होकर पूरे गांव के गोरे, चौपालों और खेतों तक फैली होती थी। हरियाणा के बच्चे मिट्टी में पलकर बड़े होते थे।

उनके खिलौने बाजार से नहीं खरीदे जाते थे, अपितु वे खुद अपनी रचनात्मकता से उन्हें गढ़ते थे। टूटी हुई चूड़ियां, माचिस की डिब्बी, पुरानी साइकिल का टायर, और पत्थर के टुकड़े, यही उनकी दौलत थी। तब बचपन खुले आसमान और मिट्टी की सौंधी महक के बीच पलता था। शाम होते ही गलियां 'हरे समंदर गोपी चंदर' के सुरों और 'कबड्डी' की हुंकार से गुलजार हो उठती थीं। आज की सूनी गलियों को देख मन उस बेफिक्र अतीत के लिए कसकता है। आज यह आलेख उसी सुनहरे दौर, उन बिसरे खेलों और माटी से जुड़ी उन यादों को फिर से जीने का एक विनम्र प्रयास है, जो अब केवल किस्सों में शेष रह गई हैं। आइए, उस पुरानी संदूक को खोलें और यादों की धूल झाड़कर उन खेलों को फिर से याद कर इस डिजीटल पीढ़ी के साथ उन यादों को बांट लें। बचपन के शुरुआती दौर के खेल अक्सर शारीरिक बल के बजाय सुर, लय और सामूहिकता पर आधारित होते थे।

इनमें जीत-हार से ज्यादा महत्व सबके साथ होने का था। ''हरे समंदर गोपी चंदर'' तो आपको याद ही होगा, यह खेल मासूमियत का पर्याय था। यह केवल एक खेल नहीं, बल्कि बच्चों की कल्पना की पहली उड़ान होती थी। इसमें शाम होते ही गली के बच्चे एक गोल घेरा बना लेते। बीच में एक बच्चा बैठता, जिसे 'मछली' कहा जाता था। फिर बच्चों के बीच सवालों और जवाबों का एक सिलसिला शुरू होता। बच्चों का समूह कहता, 'हरे समंदर गोपी चंदर, बोल मेरी मछली कितना पानी?' बीच का बच्चा जो मछली बना होता, वह कहता, 'इतना पानी!' (पैरों की एड़ी तक इशारा करते हुए)। इसी प्रकार पानी का स्तर धीरे-धीरे बढ़ता...घुटने, कमर, पेट, गला... और अंत में जब मछली चिल्लाती 'सिर के ऊपर पानी!' या 'डूब गए!', तो सारे बच्चे खिलखिलाते हुए एक-दूसरे के ऊपर गिर जाते या डूबने वाली मछली को बचाने का अभिनय करते। यह खेल बच्चों को एकजुटता सिखाता था और काल्पनिक दुनिया में सूखी जमीन पर समुद्र महसूस कराता था। इसमें कोई प्रतिस्पर्धी तनाव नहीं था, बस निर्मल आनंद था।

'पोशम्पा भाई पोशम्पा' तो बच्चों में बहुत प्रिय खेल था। दो बच्चों द्वारा हाथ ऊपर करके और उन्हें मिलकर एक फाटक बनाया जाता और उसके नीचे से गुजरती बच्चों की रेल गाती ....

'पोशम्पा भाई पोशम्पा , लाल किले में क्या हुआ? सौ रुपये की घड़ी चुराई, अब तो जेल में जाना पड़ेगा, जेल की रोटी खानी पड़ेगी, जेल का पानी पीना पड़ेगा!'

जैसे ही गाना खत्म होता, 'फाटक' बने बच्चे अपने हाथ नीचे कर लेते और जो बच्चा अंदर फंस जाता, उसे 'कैद' कर लिया जाता। इस अद्भुत ढंग से खेल-खेल में अनजाने में ही बच्चों को सही और गलत का पाठ पढ़ा दिया जाता था कि चोरी करने पर जेल जाना पड़ता है। साथ ही, पकड़े जाने का डर और उससे बचने की फुर्ती, बच्चों में रोमांच भरती थी। फिर 'अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो' का अपना कमाल था। असल में, यह कोई खेल नहीं, बल्कि 'खेल शुरू करने का मंत्र' था। जब भी किसी खेल में यह तय करना होता था कि 'दाम' यानि पारी कौन देगा, तो अक्कड़-बक्कड़ ही सबसे बड़ा न्यायाधीश होता था। जिससे फैसला किया जाता था। जैसे 'अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो, अस्सी नब्बे पूरे सौ। सौ में लगा धागा, चोर निकल के भागा।' जिस बच्चे पर आखिरी शब्द 'भागा' आता, वह चयन से बाहर हो जाता या चुन लिया जाता। यह निर्णय लेने की सबसे लोकतांत्रिक और निष्पक्ष प्रक्रिया थी जिसे हर बच्चा मानता था।

इन सभी खेलों में एकाग्रता,कार्य कुशलता, निशाना और रणनीति जैसे व्यावहारिक गुणों का प्रशिक्षण स्वतः ही बच्चे के गुणों में शामिल हो जाते थे। कंचे खेलना एक कला थी और जेब में कंचों की खनक जैसे बच्चों में रईसी की निशानी समझी जाती थी। कच्ची जमीन पर एक छोटा सा गड्ढा जिसे 'पिल्ल' कहते थे, बनाया जाता था। हाथ की बीच वाली उंगली को खींचकर, दूसरे हाथ से कंचे को साधते हुए 'टक्क' की आवाज के साथ दूसरे कंचे को हिट करना। जो निशाना चूक गया, वह हार गया। जो जीत गया, वह सामने वाले के कंचे ले जाता। 'अंटी', 'बट्टा', 'सिप्पी' ये शब्द कंचे खेलने वालों की विशेष शब्दावली का हिस्सा होते थे। यह खेल एकाग्रता और ज्यामिति का व्यावहारिक ज्ञान देता था, वहीं जीतने का नशा और हारने पर अपने प्रिय कंचे को खोने का दुख, बच्चों को भावनाओं पर काबू करना सिखाता था। गुल्ली-डंडा तो आपने अवश्य खेला होगा जिसे यदि 'भारतीय क्रिकेट का पूर्वज' कहा जाए तो गलत नहीं होगा। एक बड़ा डंडा और एक छोटी लकड़ी की गुल्ली, जो दोनों सिरों से नुकीली होती थी। गुल्ली को डंडे से धीरे से उछालना और फिर हवा में ही जोर से प्रहार करना। गुल्ली जितनी दूर जाती, खिलाड़ी का रूतबा उतना बढ़ता। अगर विपक्षी टीम ने हवा में गुल्ली लपक ली, तो खिलाड़ी आउट। यह खेल हाथ और आंख के तालमेल का बेहतरीन उदाहरण था। हरियाणा की पहचान 'पहलवान' लोगों से है और इसकी नींव बचपन के इन्हीं खेलों में पड़ती थी। कबड्डी जो हरियाणा की रगों में दौड़ता है। बिना किसी उपकरण के, केवल शरीर और सांसों के दम पर खेला जाने वाला यह खेल पौरुष का प्रतीक था। विरोधी के पाले में जाकर, बिना सांस तोड़े 'कबड्डी-कबड्डी' बोलते हुए खिलाड़ियों को छूकर वापस आना। दूसरी तरफ, डिफेंडर्स की 'चेन' बनाकर रेडर को दबोच लेना। हालांकि आज इसका आधुनिक समय में व्यवसायिक स्वरूप

देखने को मिल जाता है, जो सुखद है। कुछ इसी तरह का उदाहरण 'कुश्ती' के रूप में भी हमारे सामने है जो अतीत से लेकर आज वर्तमान में विश्वभर में प्रसिद्ध है।

आप 'पिठू' या 'सत्तोलिया' को याद कीजिए जो टीम वर्क और फुर्ती का बेजोड़ मिश्रण था। सात चपटे पत्थर और एक कपड़े की गेंद, बस यही थी खेल की सामग्री। एक खिलाड़ी गेंद से पत्थरों की मीनार गिराता। फिर उसकी टीम को उन पत्थरों को वापस एक के ऊपर एक जमाना होता, जबकि विपक्षी टीम उन्हें गेंद मारकर ऐसा करने से रोकती। गेंद लगने पर 'पिठू!' चिल्लाना। भागना, चकमा देना और गिरते-पड़ते पत्थरों को पूरा करना—यह सब अद्भुत रोमांच पैदा करता था। 'बंदर किल्ला' ग्रामीण अंचलों में बहुत लोकप्रिय खेल था। जमीन में एक कीला (खूंटा) गाड़ा जाता और उस पर लंबी रस्सी बांधी जाती। 'बंदर' बना बच्चा रस्सी पकड़ता। कीले के पास सभी बच्चों के जूते-चप्पल रखे जाते। बंदर को उनकी रक्षा करनी होती, जबकि बाकी बच्चे उन्हें चुराने की कोशिश करते। जो बच्चा बंदर द्वारा छू लिया जाता, उसे अगला बंदर बनना पड़ता। इसी प्रकार 'स्टापू' यानि 'कीड़ी-काड़ा' आमतौर पर लड़कियों द्वारा खेला जाने वाला खेल था। जमीन पर चौक या ईंट से खाने बनाए जाते। एक चपटा पत्थर (थीकरी) फेंककर, एक पैर पर कूदते हुए उसे सरकाना होता था। शरीर का संतुलन बनाए रखना और लाइन को न छूना। यह पैरों की मजबूती और धैर्य की परीक्षा थी। 'स्टापू' की तरह ही 'गिट्टे' भी ज्यादातर लड़कियों द्वारा खेला जाने वाला खेल था। जिसमें पांच छोटे पत्थरों को हथेली पर उछालना, उन्हें हवा में पकड़ना और जमीन पर गिरे पत्थरों को बिना हिलाए उठाना। यह खेल अंगुलियों के जादू जैसा था।

आंगन और गलियों की वह रौनक आज जब याद करते हैं, तो एक टीस उठती है। उन खेलों में अमीर-गरीब, जात-पात का कोई भेद नहीं था। जो अच्छा खेलता, वही सरदार होता। आज के वीडियो गेम्स ने बच्चों को कमरों में अकेला कर दिया है। पुराने खेलों में दौड़ना, कूदना, लटकना और गिरना शामिल था। इससे बच्चों की हड्डियां मजबूत होती थीं, इम्युनिटी बढ़ती थी और 'विटामिन डी' (धूप) भरपूर मिलता था। आज बच्चों में मोटापा और चश्मे आम हो गए हैं। पहले बच्चे खुद नियम बनाते थे, खुद झगड़े सुलझाते थे और खुद खिलौने बनाते थे।

आज सब कुछ 'रेडीमेड' है, जिससे उनकी निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित हो रही है। सच कहूं तो ये सब खेल महज खेल नहीं थे। वे जीवन की पाठशाला थे। ढाई-तीन दशक पहले तक जो गलियां बच्चों के शोर-गुल से गुलजार रहती थीं, आज वे सन्नाटे में हैं। हम समय को पीछे नहीं ले जा सकते, लेकिन हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को यह विरासत तो सौंप ही सकते हैं। कभी वीकेंड पर मॉल ले जाने के बजाय, बच्चों को पार्क में ले जाकर 'पिठू' या 'गुल्ली-डंडा' खिलाएं। उन्हें बताएं कि 'अक्कड़ बक्कड़' में जो मजा है, वह किसी मोबाइल ऐप में नहीं। ये खेल हमारी जड़ों से जुड़े हैं, और जड़ें जितनी गहरी होंगी, भविष्य का पेड़ उतना ही ऊंचा और मजबूत होगा।

रागनी

मनोज कुमार वशिष्ठ

ऋतुराज का अभिषेक

ऋतुराज बसंत का पहरा आया, कुदरत रूप संवारा सै,
ज्ञान की देवी सरस्वती का, यो सारा जगत पुकारा सै।।

माघ महीने की शुक्ल पंचमी, मंगल घड़ी या आई सै,
बह्मा जी के कमंडल तै, जल की बूंद मुस्काई सै।
लेकै वीणा प्रकट हुई माँ, वाणी की जोत जगाई सै,
शिव का तिलक हुआ इस दिन, खुशियां जग में छाई सै।
ऋषियों ने इस दिन प्रज्ञा का, दीप अजब संवारा सै।।

कहै 'मनोज वशिष्ठ' सुणो भाई, विज्ञान का लेखा सै,
सूरज जब दिशा बदलै, यो अवसर सबनै देखा सै।
पीली सरसों खेत में झूमै, कीटों का मेल अलेखा सै,
परागण की शक्ति बढ़ जा, कुदरत का यो विशेषा सै।
विटामिन की शक्ति मिलै, सूरज का नूर करारा सै।।

पीले बाणे की महिमा भारी, मन का चाव जगावै सै,
क्रोमोथेरेपी का यो रंग, बुद्धि-तेज बढ़ावै सै।
सेरोटोनिन का स्राव बढ़ै जब, सुस्ती दूर भगावै सै,
जठराग्नि भी तेज होज्या, तन में स्फूर्ति लावै सै।
एकाग्रता और प्रज्ञा का, इसमें भेद न्यारा सै।।

कलम-दवात की पूजा करल्यो, अक्षर ज्ञान की बारी सै,
अंधकार नै मार भगाओ, प्रज्ञा की अब तैयारी सै।
हंस पै बैठी शारदा मैया, विवेक की जिम्मेदारी सै,
ज्ञान बिना यो जीवन सूना, जग में ईश्या हुश्यारी सै।
'वशिष्ठ' के विचारां नै भाई, सच का राह निहारै सै।।

कविता

कर्म चन्द केसर

कुछ ना सै

गन्दा - मन्दा फूहड़ गाणा कुछ ना सै।
लय सुर ताल बिना मुँह बाणा कुछ ना सै।

मतलब खात्तर हाथ मिल्याणा कुछ ना सै।
अपणी बोर - बड़याई गाणा कुछ ना सै।

रिश्तेदारी हो सै प्यारी बरतण की,
बात-बात पै खूँड बजाणा कुछ ना सै।

सुलफा गाँज्जा माँग धतूरा फीम बुरी,
दारु का बी पीणा-प्याणा कुछ ना सै।

बटळी करले चै कितनी धन-माया तौं,
उरियो रहजै गेल्लै जाणा कुछ ना सै।

बाँग्गे-बोळे च्यार डोंकळे लिखकै बस,
अखबारां मैं नाम छपाणा कुछ ना सै।

फास्ट फूड अर लटरम-पटरम खावैं लोग,
होटल का बी ताजा खाणा कुछ ना सै।

चाल-चलन मैं खोट मगन मोह माया मैं,
सिर टोप्पी चै भगवाँ बाणा कुछ ना सै।

जूत लगैं अर मिलैं मिठ्याई खावण नैं,
केसर इसी जगांह पै जाणा कुछ ना सै।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

थासन

लगान राशि की अदायगी न करने पर छारा गांव में लगवा दी थी आग, फरुखनगर में ऐतिहासिक बावड़ी का निर्माण करवाया

हरियाणा क्षेत्र पर भरतपुर राजाओं का भी रहा शासन

इतिहास

यशपाल गुलिया

वर्तमान हरियाणा के एक बड़े भूभाग पर भरतपुर शासकों का 10 वर्षों तक शासन कायम रहा था। इसमें मेवात, सोहना, गुड़गाव, फरुखनगर, झज्जर, बहादुरगढ़ तथा रोहतक का क्षेत्र आता था। पानीपत की तीसरी लड़ाई के बाद महाराजा सूरजमल ने दिल्ली साम्राज्य पर स्वयं अधिकार करने का इरादा कर लिया था। अपनी उसी योजना को सफल बनाने के लिए महाराजा ने प्रथम चरण में दिल्ली के आसपास कब्जा करने की ठान ली थी। तभी दो ऐसी घटनाएं घट गई, जिससे महाराजा सूरजमल को शीघ्रता से कार्रवाई करनी पड़ी थी।

प्रथम घटना के तहत जवाहर सिंह ने पिता का तख्ता पलटने का प्रयास किया था, जिसमें दोनों बाप-बेटों के मध्य पिली पोखर नामक स्थान पर सैन्य भिड़ंत हुई थी। दूसरी घटना, जहांगीरपुर गांव के बादली परगने के मुखिया खड़क सिंह गुलिया की थी। इसके तहत नवाब फरुखनगर से एक व्यंग कर देने पर नवाब खड़क सिंह को बन्दी बनाना चाहता था, परन्तु खड़क सिंह परिवार सहित बल्लभगढ़ भाग गया और वहां के जाट शासक किशन सिंह ने उसको महाराजा सूरजमल के दरबार में पेश कर दिया। खड़क सिंह ने महाराजा को बताया कि नवाब काफी अत्याचार करता है और अगर आप सेना सहित चढ़ाई कर दें तो फरुखनगर क्षेत्र पर आपका सरलता से कब्जा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1728 से फरुखनगर एक नवाबी कायम हो गई थी, जबकि झज्जर तब एक प्रशासनिक परगना मात्र था, जो 1804 में जाकर रियासत बनी थी।

इस प्रकार परिस्थितियों का आंकलन करने के बाद महाराजा सूरजमल ने वर्ष 1762 में जवाहर सिंह को एक बड़ी सेना देकर फरुखनगर पर आक्रमण करने के लिए भेजा। खड़क सिह को भी आवश्यक सैन्य सामग्री आदि के लिए सहायता करने को कहा गया। तदानुसार जवाहर सिंह की सेना ने मेवात के रास्ते हरियाणा क्षेत्र में प्रवेश किया और घाषेड़ा के आमील बहादुर सिंह को पराजित करके तावडू आदि समस्त मेवात पर कब्जा कर लिया। उसके बाद जवाहर सिंह की सेना के फरुखनगर पहुंचने पर नवाब मुसा खां की सेना ने भयंकर गोलाबारी से स्वागत किया और जवाहर सिंह की बड़ी सेना फरुखनगर के किले के बाहर से ही दो महीनों तक गोले दागती रही। महाराजा दिल्ली के आसपास कब्जा नहीं होता देखकर स्वयं अतिरिक्त सेना लेकर फरुखनगर किले के बाहर पहुंचे और एक सप्ताह बाद नवाब को सन्धि करने का झांसा दिया गया।

महाराजा सूरजमल की तरफ से रूपराम कटारी तथा नवाब की तरफ से दिवान जादवराय ने सन्धि निर्धारित की। लेकिन सन्धि के अनुरूप नवाब मुसा खां के किले से बाहर जयपुर नहीं जाने दिया गया और परिवार सहित बन्दी बनाकर डीग के किले में भेज दिया। उसके बाद जवाहर सिंह को सेना ने बहादुरगढ़, झज्जर, दुजाना व रोहतक तक अपना अधिकार कर लिया। महाराजा वापस चला गया तथा जवाहर सिंह स्वयं फरुखनगर रहने लग गया। झज्जर पर उसने राम किशन नामक जाट को प्रशासक नियुक्त कर दिया। महाराजा का दिल्ली पर कब्जे का सपना पूरा नहीं हो सका, क्योंकि अगले वर्ष 1763 में महाराजा सूरजमल ने दिल्ली पर आक्रमण तो कर दिया लेकिन एक दिन के युद्ध के बाद शाम को धोखे से मारा गया। उसके बाद जवाहर सिह फरुखनगर पर खुशहाल राय कायस्थ को हाकिम नियुक्त करके स्वयं भरतपुर लौट गया। उससे आगे हरियाणा क्षेत्र पर भरतपुर शासकों का 9 वर्षों तक ही शासन कायम रह पाया, क्योंकि उस अवधि में एक के बाद एक चार भरतपुर राजाओं की असामयिक मृत्यु हो गई थी। 1772 में फरुख नगर नवाब होकर डिग के किले से रिहा होकर लौट आया तथा फिर से नवाबी ग्रहण करने में सफल रहा। भरतपुर शासकों एवं उनके प्रतिनिधियों ने फरुखनगर में ऐतिहासिक बावड़ी का निर्माण करवाया तथा झज्जर में महादेव मोहल्ले में एक शिवालय, दुजाना में एक दर्शनीय कुआं एवं पक्के तालाब का निर्माण करवाया था। यद्यपि उन्होंने लगान राशि की अदायगी न करने पर छारा गांव में आग भी लगवाई थी, लेकिन उनका शासन होने के कारण ही 1763-64 वाले अभियान के तहत सिख इस क्षेत्र में घुस ही नहीं पाए और जीन्द तक सीमित रहे।

फरुखनगर किले का मुख्य द्वार तथा दाएं भारतपुर शासकों द्वारा फरुखनगर में निर्मित बावड़ी, जोकि अभी तक संरक्षित है।

आकाशवाणी के उद्घोषक को साहित्य से भी जुड़ा होना चाहिए : रितु

कलाकार

डा. तबस्सुम जहां

हरियाणा के हिसार आकाशवाणी की आर.जे., अच्छी शायरा और दिलों को छू लेने वाली स्टोरीटेलर रितु कौशिक कई वर्षों तक दूरदर्शन हरियाणा में न्यूज़ रीडर के रूप में कार्यरत रही हैं। इन्होंने न केवल अपनी ग़ज़लों के ज़रिए साहित्य-प्रेमियों के दिलों में ख़ास जगह बनाई है

बल्कि ये डीडी उर्दू के प्रतिष्ठित कार्यक्रम "कवि हाज़िर हो" में भी अपनी शिरकत दर्ज करा चुकी हैं। कोविड लॉकडाउन के उस बेचैन और उथल-पुथल भरे दौर में, जब चारों ओर निराशा और अकेलापन पसरा हुआ था, रितु ने आकाशवाणी के एक विशेष कार्यक्रम के माध्यम से उम्मीद की रोशनी जलाई।

उन्होंने एक ऐसी शृंखला की शुरुआत की, जिसके मंच पर देश के अज़ीम ग़ज़लकारों और कवियों को जोड़ा। उनके साक्षात्कारों और रचनाओं के ज़रिए श्रोताओं को मानसिक संबल दिया और साहित्य के माध्यम से लॉकडाउन के अवसाद से बाहर निकलने का एक ख़ूबसूरत और सराहनीय प्रयास किया। रितु आकाशवाणी से अपने लगाव के संबंध में बताती हैं कि उन्हें बचपन से रेडियो का शौक मम्मी से मिला, जो हमेशा रेडियो सिलोन सुना करती थीं। कॉलेज के समय लेखन और काव्य गोष्ठियों से होते हुए आकाशवाणी में युवा वाणी के लिए इनका चयन हुआ और 2002 में हिसार स्थानांतरण के बाद ऑडिशन

पास कर तब से वह उद्घोषिका के रूप में कार्यरत हैं। इसके अलावा दूरदर्शन हिसार में न्यूज़ रीडर के रूप में कार्य करने को भी वह अपनी एक बड़ी उपलब्धि मानती हैं। उनके अनुसार दूरदर्शन में लाइव कार्यक्रमों की उनकी एंकरिंग की शुरुआत हुई और फिर वह न्यूज रीडर बनी।

दूरदर्शन में न्यूज रीडिंग का अपना तिलिस्म है, जिससे अधिक से अधिक लोग जुड़ना चाहते हैं। रितु बताती हैं कि न्यूज पढ़ते समय प्रवाह, आत्मविश्वास और फोटोजेनिक व्यक्तित्व का भी विशेष महत्व होता है। इच्छुक अभ्यर्थी अख़बार पढ़कर, आईने के सामने अभ्यास करें, सामान्य ज्ञान मजबूत रखें और वेकेंसी आने पर ऑडिशन दें। रितु ने एक लम्बे अरसे तक दूरदर्शन हिसार में न्यूज़ रीडर के तौर पर समय बिताया है, इसलिए दूरदर्शन का यहां से जाना उनके लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था क्योंकि यह किसानों, विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों और लोक कलाकारों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच था। शायरी और ग़ज़लों के क्षेत्र मे रितु ने अच्छा नाम कमाया है लेकिन कमाल की बात यह है कि उनकी पृष्ठभूमि कभी साहित्यिक नहीं रही। उन्होंने 15 वर्ष की उम्र में ग़ज़ल लिखना शुरू कर दिया था, जो शादी के बाद छूट गया था। 15 साल बाद अपने बेटे की प्रेरणा से दोबारा लेखन शुरू किया और जल्द ही अपनी लाजवाब ग़ज़ल गोई से बड़े मुशायरों व जश्न-ए-रेख़्ता, जश्न-ए-अदब जैसे मंचों तक जा पहुंची।

आकाशवाणी में एक आरजे के तौर पर कार्य करने के अनुभव के सम्बन्ध में वह बताती हैं कि आकाशवाणी उनका पहला जुनून है, जिसने समय के साथ खुद को लगातार बदला है। आज भी तमाम माध्यमों के बीच आकाशवाणी ने श्रोताओं के दिल में अपनी अलग और खास जगह बना रखी है। आकाशवाणी स्टूडियो में एकांत में बैठकर प्रोग्राम करना यह अनुभव ही उनके लिए बेहद आनंददायक है। कभी महसूस ही नहीं होता कि अकेले बोल रहे हैं। श्रोताओं से बढ़ता स्नेहिल जुड़ाव और लाइव कार्यक्रमों में उनके संदेश इसे और खास बना देते हैं। प्राइवेट एफएम और आकाशवाणी में मूलभूत अंतर के प्रश्न पर रितु जी का मानना है कि है कि प्राइवेट एफएम और आकाशवाणी में लहजे व कंटेंट का फर्क है। आकाशवाणी शालीन, मर्यादित और लोक संस्कृति से जुड़ा माध्यम है, जो हर वर्ग के लिए कार्यक्रम देता है।

स्वयं उनके शब्दों में- 'मेरे लिए आकाशवाणी सर्वोपरि है और समय के साथ अपडेट होकर इसने आज भी अपनी मजबूत पहचान बनाए रखी है। कोरोना काल में स्टूडियो इंटरव्यू संभव न होने पर ऑनलाइन रिकॉर्डिंग से "साहित्य कलश" शृंखला शुरू की, जिसमें हरि ओम पंवार, सुरेंद्र शर्मा, चंदन दास, अरुण जैमिनी, वसीम बरेलवी, राजेश रेड्डी और फहमी बदायूंनी जैसे प्रतिष्ठित कवि-शायर शामिल हुए। नर्म लहजे, साफ़ तलफ्फुज़ और मधुर आवाज़ वाली रितु कौशिक अमीन सयानी को सुनकर बड़ी हुईं, जिनसे उन्होंने बहुत कुछ सीखा। रितु के अनुसार आकाशवाणी के उद्घोषक को साहित्य से भी जुड़ा होना चाहिए क्योंकि उसका रचनात्मक होना बेहद ज़रूरी है। पहले गूगल भी नहीं था, तब हर ओपनिंग-क्लोज़िंग खुद लिखनी पड़ती थी। आज एआई मदद कर सकता है, लेकिन साहित्यिक ज्ञान ही किसी कार्यक्रम को सच में बेहतर बनाता है।

बच्चों को शुरू से ही शुद्ध हिंदी सिखाएं

आरजे रितु कौशिक कहती हैं कि स्कूल के साथ माता-पिता का भी दायित्व है कि बच्चों को शुरू से शुद्ध हिंदी सिखाएं, क्योंकि क्षेत्रीय बोली वे स्वाभाविक रूप से सीख लेते हैं। उनके विचार से व्यक्तित्व विकास और आगे बढ़ने के लिए अपनी बोली, हिंदी और अंग्रेज़ी तीनों का अच्छा ज्ञान जरूरी है।

खबर संक्षेप

विकास की राह में साथ दे व्यापारी, शहर को मिलेगा नया आयाम : केडी शर्मा

■ बोले केडी : कुछ दिनों की असुविधा के बाद मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

झज्जर। शहर के समग्र विकास के लिए सड़कों का निर्माण, सीवरेज व्यवस्था, जल निकासी प्रणाली और सौंदर्यीकरण जैसे कार्य आवश्यक हैं। जब भी विकास कार्य करवाएं जाते है, उस दौरान कुछ समय तक लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कुछ दिनों की असुविधा के बाद बेहतर सुविधाएं मिलती है। इसलिए व्यापारी और आमजन शहर में चल रहे विकास कार्यों में प्रशासन का सहयोग करें। यह कहना है जिला व्यापार मंडल के संरक्षक केडी मेनपाल शर्मा का। उन्होंने कहा कि जब भी किसी क्षेत्र में विकास कार्य शुरू होते हैं तो कुछ समय के लिए असुविधा स्वाभाविक है। सड़क खुदाई, यातायात में बदलाव और ग्राहकों की आवाजाही में कमी जैसी समस्याएं सामने आती हैं, लेकिन यह अस्थायी होती हैं। कार्य पूर्ण होने के बाद उन्हीं क्षेत्रों में व्यापारिक गतिविधियां बढ़ती हैं और आमजन को बेहतर सुविधाएं मिलती हैं। यदि व्यापारी वर्ग धैर्य रखकर प्रशासन का साथ देगा तो विकास कार्य निर्धारित समयावधि में पूरे हो सकेंगे। बार-बार विरोध या कार्य रुकवाने से परियोजनाओं की लागत बढ़ती है और शहर का नुकसान होता है। अच्छी सड़कें, जल निकासी की उचित व्यवस्था व्यापार को नई पहचान देंगे।

झज्जर में मनभरी देवी ट्रस्ट परिसर में हिंदू सम्मेलन का आयोजन

कलश शोभायात्रा से की हिंदू सम्मेलन की शुरुआत, एकजुट रहने का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

हिंदू सम्मेलन समिति मंगल पांडे बस्ती दिल्ली गेट द्वारा रविवार को शहर के बाबा प्रसादगिरी मंदिर के नजदीक मनभरी देवी ट्रस्ट परिसर में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्राचीन डाबरा मंदिर के महंत चरणदास की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन की शुरुआत कलश शोभायात्रा से की गई। सौभाग्यवती महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर यात्रा में भाग लिया। बाबा प्रसाद गिरी मंदिर परिसर से शुरू हुई यह यात्रा कमेटी स्कूल, दिल्ली गेट, चौपटा बाजार से होते हुए आयोजन स्थल तक पहुंची। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने डीजे पर बज रहे भगवान शिव के भजनों पर नृत्य किया। वे रंग-गुलाल उड़ाते हुए ट्रस्ट परिसर पहुंचे। सम्मेलन में मुख्यातिथि के रूप में बाबा प्रसादगिरी मंदिर से मृत्युंज्य गिरी महाराज ने शिकरत की। हिंदू समाज को एकजुट करने के उद्देश्य से आयोजित इस सम्मेलन में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने सभी को एकजुट होने का संदेश दिया। समाज का एकजुट होना आवश्यक है। इसके लिए हमें विकसित भारत के संकल्प के साथ सामाजिक व सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए पंच परिवर्तन करने होंगे। उन्होंने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को अपने धर्म व संस्कृति से अवगत कराने के लिए धार्मिक आयोजन में लेकर आएं। महंत चरणदास ने अपने संबोधन में स्वदेशी जीवन शैली व नागरिक कर्त्तव्यों का पालन करने का आह्वान उपस्थित जनसमूह से किया। इस दौरान आरएसएस से वक्ता राकेश ने पंच परिवर्तन सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रोधन, पर्यावरण सरंक्षण, स्वदेशी जीवन शैली व नागरिक कर्त्तव्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

झज्जर। कलश शोभायात्रा में उपस्थित श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

भजनों के माध्यम से भी किया गया जागरूक

हिंदू सम्मेलन के दौरान आचार्य उपेंद्र कृष्ण ने प्रेरणादायी व देशभक्ति से संबंधित भजनों के माध्यम से हिंदू धर्म की महिमा का गुणगान किया। उन्होंने बताया कि विभिन्न स्थानों पर पहुंच कर इस प्रकार के सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है। शहर में यह पहला आयोजन है। भविष्य में इसी प्रकार के पांच आयोजन और किए जाने हैं।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि। फोटो : हरिभूमि

सामाजिक समरसता व पर्यावरण संरक्षण समेत हिंदू सम्मेलन में किए पांच संकल्प

बहादुरगढ़। संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित हिंदू सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि महंत राजेश्वरपुरी नागा बाबा तथा विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष राकेश ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में शिवाजी नगर संयोजक नितिन जैन भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए संघ द्वारा बताए गए पांच प्रमुख विषयों सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्वा-आधारित जीवन और नागरिक कर्तव्य बोध पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए इन मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में श्याम घरोटे, कवल कुमार, विनायक राव, कुंदन, बसंत लाल, सुभाष, अरुण राजपूत, प्रिंस, राहुल खंडेलवाल और लाल बाबू पासवान सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

हिंदू सम्मेलन कर एकता का दिया संदेश

बहादुरगढ़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा रविवार को बहादुरगढ़ में 6 स्थानों पर हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए। सेक्टर-7 मार्केट के माधव पार्क में मनोज शास्त्री की उपस्थिति में उपेंद्र शास्त्री मुख्य वक्ता रहे। छोटूराम नगर में सह विभाग कार्यवाह विक्रम व दीपक मुख्य वक्ता रहे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता शंभू पुजारी ने की। सूर्या उपनगर, बालौर, किला मोहल्ला और वेदांत नगर में भी हिंदू सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान वक्ताओं ने टूटते परिवारों पर चिंता जताई। जाति, भाषा और क्षेत्र के आधार पर विभाजन को विदेशी शक्तियों का षड्यंत्र बताया। पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। राष्ट्र, भाषा, प्रांत और सांस्कृतिक पहचान पर गर्व करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रमों में भंडारा, भजन कीर्तन, सुंदरकाण्ड व हवन भी हुए।

न्यूज डायरी

नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया

झज्जर। रविवार को शहर के वार्ड नंबर पांच में नशामुक्ति टीम द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें स्थानीय निवासियों, विशेषकर महिलाओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रवक्ता ने बताया कि कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को बताया गया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने लोगों को नशे से दूर रहने और अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्हें डायल 112 सेवा के बारे में भी जानकारी दी गई और बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्राप्त करने के लिए इसका उपयोग कैसे किया जा सकता है। साथ ही बाल विवाह को एक गंभीर अपराध बताते हुए इसके कानूनी परिणामों पर प्रकाश डाला गया और लोगों से इस कुप्रथा को रोकने में सहयोग करने की अपील की गई। इसके अलावा ऑनलाइन ठगी और धोखाधड़ी से बचने के उपाय भी बताए गए।

पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

झज्जर। महाराजा अग्रसेन महिला महाविद्यालय द्वारा राजीव गांधी सेवा केंद्र खातीवास में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर के छठे दिन की शुरूआत स्वयंसेविकाओं द्वारा प्रभात फेरी निकाल कर की। प्रभातफेरी में स्वयंसेविकाओं ने गांव के दादा सिराज वाला मंदिर परिसर में पहुंच कर जहां स्वच्छता अभियान चलाया वहीं मंदिर परिसर स्थित अमृत सरोवर के आस-पास पौधरोपण कर पर्यावरण सरंक्षण का संदेश दिया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनु बरवड़ ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व के चलते स्वयंसेविकाओं ने मंदिर परिसर में साफ-सफाई की तथा शिवलिंग पर जलाभिषेक कर भगवान भोले का आशीर्वाद लिया। इस दौरान स्वयंसेविकाओं ने दर्शनार्थ पहुंचे श्रद्धालुओं को कतारबद्ध कर व्यवस्था भी सुचारू रखी। दोपहर को आयोजित हार्टफुलनेस मेडिटेशन सत्र में स्वयंसेविकाओं को तनाव कम करने, आंतरिक शांति प्राप्त करने व एकाग्रता बढ़ाने की विधि का अभ्यास किया। वक्ता सुरेंद्र कुमार ने स्वयंसेविकाओं को विषम परिस्थितियों में अपनी सुरक्षा करने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से सक्षम बनाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि आत्मरक्षा केवल शारीरिक शक्ति का खेल नहीं, बल्कि मानसिक सतर्कता और सूझबूझ का परिणाम है।

शिविर में ग्रामीणों ने करवाई स्वास्थ्य जांच

बहादुरगढ़। गांव सांखोल की बड़ी चौपाल में रविवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन हुआ। नूना माजरा स्थित महाराजा अग्रसेन सतनारायण गुप्ता अस्पताल की ओर से आयोजित शिविर में ग्रामीणों ने हड्डी-जोड़, नेत्र रोग सहित सामान्य चिकित्सा जांच करवाई तथा परामर्श प्राप्त किया। कैंप में ग्रामीणों का बीपी व शुगर परीक्षण भी किया गया। जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवा दी गई। जिन मरीजों में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पाई गईं, उन्हें आगे के उपचार के लिए अस्पताल में रेफर किया गया ताकि समय रहते बेहतर इलाज सुनिश्चित किया जा सके। वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय की सहायक प्रवक्ता प्रीत कमल, स्वयंसेविका हर्षिता, श्वेता, मंजू और मधु आदि ने अस्पताल टीम की मदद की तथा लोगों को जागरूक किया। सामाजिक कार्यकर्ता ज्ञान राठी ने इस तरह के शिविरों को लाभकारी बताया। अस्पताल के डॉक्टरों और प्रबंधन सदस्यों ने कहा कि नागरिकों को समय समय पर स्वास्थ्य की जांच करानी चाहिए। आगे भी इस तरह के आयोजन लगातार जारी रहेंगे।

जीत अस्पताल में पीएफटी जांच कैंप कल

झज्जर। शहर के नागरिक अस्पताल रोड स्थित जीत अस्पताल में मंगलवार को पीएफटी जांच कैंप का आयोजन किया जाएगा। अस्पताल के डायरेक्टर डॉक्टर कुलदीप गुलिया ने बताया कि कैंप में जहां लोगों की पीएफटी, बीपी, शुगर आदि की निःशुल्क जांच की जाएगा वहीं कैंसर ओपीडी भी निःशुल्क रहेगी। प्रातः नौ बजे से दोपहर दो बजे तक आयोजित इस शिविर में डॉक्टर पंघाल व उनकी टीम सेवाएं देगी।

मांडोठी के शिव मंदिर में भंडारा आज

बहादुरगढ़। गांव मांडोठी में सोमवार 16 फरवरी को देशी घी के भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन कबोसिया पाना के लोढान मोहल्ला स्थित शिव मंदिर परिसर में होगा। कार्यक्रम की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। मांडोठी सहित आसपास लगते अन्य गांवों के लोग भंडारे में प्रसाद ग्रहण करेंगे।

रायपुर गांव में रात्रि ठहराव 20 फरवरी को

झज्जर। सीटीएम नमिता कुमारी ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की पहल पर जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक माह आयोजित किए जाने वाले रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन आगामी 20 फरवरी को गांव रायपुर स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला परिसर में किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल करेंगे। जिसमें उपायुक्त ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनेंगे तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश देंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशासन को गांव स्तर तक पहुंचाकर आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निवारण करना है।

भगवान शिव परिवार की वेशभूषा में सजे विद्यार्थी

झज्जर। आरईडी स्कूल में रविवार को महाशिवरात्रि पर्व पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल परिसर को फूलों व रंगों से सजाया गया। विद्यार्थियों व शिक्षकों ने मिलकर भगवान भोलेनाथ की आराधना की। इस दौरान विद्यार्थियों ने भगवान शिव पर आधारित भजन, नृत्य और नाटक की प्रस्तुत दी। नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के छोटे विद्यार्थी भगवान शिव, मां पार्वती, नंदी व गणेशजी की वेशभूषा में नजर आए। विद्यार्थियों ने भाषण के माध्यम से महाशिवरात्रि के महत्व व पर्व से जुड़ी पौराणिक कथाओं बारे जानकारी साझा की। विद्यालय प्राचार्या गीता गाबा ने विद्यार्थियों को महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व समझाया। पूजा-अर्चना करते हुए विद्यार्थियों व शिक्षकों ने भगवान शिव से सुख-समृद्धि और शांति की प्रार्थना की।

गौड़ सभा के सदस्य बनने को लेकर दी जानकारी

बहादुरगढ़। सेक्टर-2 स्थित भगवान परशुराम धर्मशाला में रविवार को विशेष बैठक हुई। इसमें रोहतक की गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के पदेन सचिव डॉ. जयपाल शर्मा ने संस्था के चुनाव को लेकर नए सदस्य जोड़ने की प्रक्रिया बताई। डॉ. जयपाल शर्मा ने कहा कि सरकार की तरफ से जिला फर्म एवं सोसायटी रजिस्ट्रार की ओर से पत्र जारी हो गया है। सभा का 2011 में 33 हजार 107 सदस्यों पर चुनाव करवाया गया था। इसी बीच 2012 से 2014 तक संस्था के 42 हजार 974 नए सदस्य बना दिए गए, जिसे लेकर लगातार संस्था के आजीवन सदस्यों के बीच विवाद चल रहा था, जो अब समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि 1100 रुपये अपने खाते से जमा करवा कर नया सदस्य बन सकता है। सदस्य बनने के लिए नियम व शर्तों को वेबसाइट पर जारी किया गया है। पंडित लख्मीचंद धर्मशाला के महासचिव सतीश शर्मा ने कहा कि 2012 से 2014 तक बने संस्था के नए सदस्य नए सिरे से सदस्यता शुल्क जमा करवा कर सदस्य बन सकेंगे। इस मौके पर भगवान परशुराम धर्मशाला के प्रधान महेश वशिष्ट, पूर्व प्रधान नरेश भारद्वाज, पूर्व प्रधान जयबीर भारद्वाज, पूर्व प्रधान राजेंद्र शर्मा, अशवनी शर्मा, दिनेश मुदगिल, आनंद शर्मा, आनंद शांडिल्य, अनिल शर्मा, प्रदीप अत्री, नरेश कंवर, रामानंद शर्मा, धर्मबीर भारद्वाज, सुनील , मदन तिवारी, मुकेश कौशिक, भूपेंद्र व सुरेंद्र आदि उपस्थित रहे।

पदक विजेता खिलाड़ियों का किया अभिनंदन

बहादुरगढ़। बीते दिनों महाराष्ट्र में हुई 69वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल क्रीड़ा प्रतियोगिता की कराटे स्पर्धा में पदक जीतकर शहर का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों का रविवार को अभिनंदन किया गया। खिलाड़ियों का सम्मान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। दरअसल, महाराष्ट्र के पुणे में हुई प्रतियोगिता में बहादुरगढ़ की सोनिका ने स्वर्ण पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जबकि गगनदीप माथुर ने रजत और प्रथम तेहलान ने कांस्य पदक हासिल किया। रविवार को इन विजेता खिलाड़ियों का यहां लाल चौक पर स्वागत हुआ। इन्हें गाड़ी में बैठाकर घर तक ले जाया गया, जहां इनको सम्मानित किया गया। कराटे कोच ईशांत राठी ने बताया कि बहादुरगढ़ कराटे टेम्पल अकादमी से सोनिका, गगनदीप, प्रथम, वर्षिता और हिमांशी ने प्रतियोगिता में भाग लिया था। खिलाड़ियों ने अनुशासन, मेहनत और लगन के बल पर यह सफलता प्राप्त की। गगनदीप ने पिछले वर्ष भी राष्ट्रीय स्कूली खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया था। अभिभावकों और खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण बताया। सोनिका के पिता घनश्याम, माता दीपा व बहन नेहा ने बेटी की उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि निरंतर परिश्रम और मार्गदर्शन से वह भविष्य में भी इसी तरह सफलता प्राप्त करती रहेगी।

वार्षिकोत्सव में मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

झज्जर। पेस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा महाशिवरात्रि पर्व पर तृतीय वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। पेस संस्थान ने मात्र तीन वर्षों में शिक्षा जगत में जो पहचान बनाई है वह अद्वितीय है। संस्थान निदेशक जय विकास ने संस्थान द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि उनका अगला लक्ष्य है कि आईआईटी और नीट में ऑल इंडिया रैंक वन झज्जर की धरती से हो। वर्ष 2023 में नीट में 7 लाख रैंक प्राप्त करने वाली छात्रा कोमल ने पेस से जुड़ने के बाद मात्र दो वर्षों में नीट में 2300 ऑल इंडिया रैंक तथा आईआईटी मेन्स में 99.8 पर्सेंटाइल प्राप्त करते हुए कीर्तिमान स्थापित किया। इसके अलावा कवि रोहित शर्मा ने अपनी ओजपूर्ण व हास्य-व्यंग्य कविताओं से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान जहां विद्यार्थियों ने मनमोहक नृत्य, प्रभावशाली नाटक और मधुर संगीत प्रस्तुतियों से उपस्थित अभिभावकों व अतिथियों को भावविभोर किया वहीं आईआईटी, नीट, एनडीए, सीयूईटी, सीए, सीएस और क्लैट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर जिला परिषद के चेयरमैन कप्तान बिरधाना, भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि, संजय कबलाना, मनीष बंसल, डॉक्टर हर्ष शर्मा, एचसीएस अधिकारी रमित के अलावा पेस चेयरमैन युद्धवीर, प्रबंध निदेशक संदीप, हरीश, सुमित चावला, अश्विनी, गीतांशु चावला आदि मौजूद रहे।

मोहित व आशीष ने यूपी में जीते मेडल

बहादुरगढ़। उत्तर प्रदेश में हुई सीनियर नेशनल फेडरेशन कुश्ती प्रतियोगिता में बुपनिया स्थित जयवीर अखाड़े के दो पहलवानों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। दोनों पहलवानों ने अपने भारवर्ग में मेडल जीतकर इलाके का नाम रोशन किया। विजेता पहलवानों का अखाड़े में लौटने पर जोरदार अभिनंदन किया गया। अखाड़े के मोहित पहलवान ने 65 किलोग्राम भारवर्ग में जोर आजमाइश की। अंतरराष्ट्रीय पहलवान मोहित ने अपने तमाम मुकाबले जीतते हुए फाइनल में प्रवेश किया और फिर आखिरी कुश्ती जीतकर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। इसी अखाड़े के आशीष उर्फ आशू ने 61 किलोग्राम फ्री स्टाइल वर्ग में सराहनीय प्रदर्शन करते हुए सिलवर मेडल पर कब्जा जमाया। इनकी जीत पर कोच जयवीर, परिजनों और साथी खिलाड़ियों ने खुशी जताई है। रुड़ियावास गांव का मोहित सेना में हवलदार है और जूनियर वर्ल्ड चैंपियन है। वहीं, रोहद गांव का आशीष भी होनहार पहलवान है। दोनों बीते करीब सात साल से जयवीर अखाड़े में अभ्यास करते हैं। कोच जयवीर ने कहा कि दोनों बेहद प्रतिभाशाली पहलवान है। लगातार अपने प्रदर्शन से इलाके का गौरव बढ़ा रहे हैं।

बहादुरगढ़। पदक विजेता मोहित व आशीष पहलवान।

भाजपा सरकार जन भावनाओं को रौंदते हुए बढ़ा रही कदम : दीपेंद्र हुड्डा

■ सांसद ने गांव सुबाना स्थित रूपेश्वर धाम और खुड्डन गांव में आयोजित कुश्ती दंगल में शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने गांव सुबाना स्थित रूपेश्वर धाम और खुड्डन गांव में आयोजित कुश्ती दंगल में शिरकत की। इस दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जन भावनाओं को रौंदते हुए कदम बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में हरियाणा का हर आदमी कांग्रेस सरकार बनाने का फैसला कर चुका था लेकिन भाजपा ने बेईमानी, वोट चोरी व धनबल का उपयोग करके सत्ता कब्जाई है। हरियाणा की छत्तीस बिरादरी ने लड़ाई लड़ने में कोई कमी नहीं छोड़ी थी, लेकिन हो सकता है कि हमारी ही तपस्या में कहीं कोई कमी रह गई होगी। इसीलिए 2029 में दोबारा कदम बढ़ाएंगे। हरियाणा की राम रूपी जनता की और सच्चाई व अच्छाई की जीत होगी। बादली से विधायक कुलदीप वत्स व जिलाध्यक्ष संजय यादव सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा।

महाशिव रात्रि पर्व के उपलक्ष्य में विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन

बिरधाना के दंगल में बराबरी पर छूटी दोनों बड़ी इनामी कुश्ती

■ विजेता पहलवानों को इनामी राशि देकर सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के गांव बिरधाना में महाशिव रात्रि पर्व के उपलक्ष्य में विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। दंगल के दौरान जहां पहली व दूसरी इनामी कुश्ती पहलवानों के बीच हुई कांटे की टक्कर के बाद बराबरी पर छूटी वहीं तीसरी इनामी कुश्मती में पुनीत पहलवान ने सन्नी पहलवान को हराते हुए जीत हासिल की। एक लाख रुपये वाली पहली कुश्ती पहलवान शेरा गुर्जर व भोला आदमपुर के बीच जबकि दूसरी कुश्ती साहिल व हिमांशु गोच्छी के बीच हुई। दोनों कुश्तियां बराबरी पर छूटने के कारण आयोजकों द्वारा इनामी राशि को दोनों पहलवानों में बराबर-बराबर बांट दिया गया। इसके अलावा अनेक छोटी-बड़ी कुश्तियों का आयोजन हुआ जिसमें पहलवानों ने दांव लगाए। आयोजक समिति प्रवक्ता ने बताया कि ग्यारह हजार रुपये वाली कुश्ती में सचिन रोहद, रितिक रोहतक, मोहित, रवि, सौरभ, दीपांशु, जतिन खेड़ी जट्ट, अंकित व कृष्ण सत्ते अखाड़ा, प्रीत, मनीष व कार्तिक बरहाणा के बीच हुई। ग्यारह सौ रुपये वाली कुश्तियों में पहलवान प्रमोद, अमित, हर्षित, मोगली डीघल, शुभम सोनीपत, सुमित, साहिल, काला व खली पहलवान मांडौठी ने मुकाबला किया पन्द्रह सौ रुपये वाली कुश्ती में जतिन, आदित्य कलानौर, सोनू, हर्ष महराणा, सचिन सूरहा, आशु, जतिन, अनिकेत, देवा, रोहित, सन्नी, अरुण आदि में मुकाबला हुआ। मुकाबले के विजेता पहलवानों को इनामी राशि से सम्मानित किया गया।

झज्जर। कुश्ती में दम दिखाते हुए पहलवान। फोटो : हरिभूमि

पहलवान को विजेता घोषित करते हुए निर्णायक मंडल एवं आयोजक समिति पदाधिकारी।

मंदिरों में श्रद्धालुओं की लगी लम्बी लाइन , शिवलिंग पर जलाभिषेक कर की पूजा-अर्चना

महाशिवरात्रि पर्व पर बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजे शिवालय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शिव की आराधना के पर्व महाशिवरात्रि पर शहर के विभिन्न मंदिरों में आयोजित विशिष्ट धार्मिक अनुष्ठानों में सारा दिन शिव महिमा का बखान होता रहा। रविवार को घरों में भी शिवरात्रि पर पूजा-अर्चना और भजन संध्या के कार्यक्रमों की धूम रही। नगर के मंदिरों में शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ी, वहीं सैकड़ों शिवभक्तों ने व्रत रख भोलेनाथ की अराधना की। रविवार को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर ऐसा प्रतीत हो रहा था मानों शहर का कंकर-कंकर जय शिवशंकर का घोष कर रहा हो। सुबह से ही शहर में बम भोले का घोष शुरु हो गया। तड़के से ही शिव भक्ति में लीन श्रद्धालु शिवत्व का स्मरण करते रहे। शिवालयों में सुबह से ही भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा। आस-पास के गांवों में भी मंदिरों के बाहर लंबी-लंबी कतार लगी हुई थी।

सेक्टर-2 स्थित राज-राजेश्वरी मंदिर, परनाला रोड स्थित वेदांत आश्रम, झज्जर रोड पर शनि मंदिर, मेन बाजार के महाबीर मंदिर, जटवाड़ा मौहला स्थित तीन शक्ति मंदिर, रोहतक रोड स्थित हनुमान मंदिर, रेलवे रोड स्थित शिव बालाजी मंदिर, मुरली मनोहर मंदिर, सतनारायण मंदिर व शिव मंदिर में सुबह से ही शिव भक्तों का तांता लगा रहा। इसी तरह सभी शिवालयों में सुबह से ही अभिषेक, पूजन चला। मंदिरों में जहां शिवपुराण का आयोजन दिनभर चलता रहा, वहीं भजन टोलियों शिव महिमा का बखान करती रही। श्रद्धालुओं ने भी विधि-विधान से शिवलिंग पर जलाभिषेक कर भगवान शंकर की अराधना की।

बहादुरगढ़। गांव टांडाहेड़ी के मंदिर में शिवलिंग पर जलाभिषेक करते भक्त।

श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर मांगी मन्नतें, शहर में कई जगह भंडारे लगाकर बांटा प्रसाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को जिलेभर में महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया गया। लोगों ने व्रत रखा और मंदिरों में जाकर विशेष पूजा अर्चना करते हुए शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। शिवालयों में दिनभर बम बम भोले के जयकारे गूंजते रहे। शहर के बाबा प्रसाद गिरी मंदिर, बाबा कांशी गिरी मंदिर, बूढ़ा महादेव मंदिर, शिव मंदिर, पंडित लेखराज मंदिर, सुनारों वाले मंदिर, गोपाल मंदिर, दुर्गा मंदिर, डाबरा वाला मंदिर, प्राचीन हनुमान मंदिर, विश्वकर्मा मंदिर श्री श्याम बाबा खाटू वाले मंदिर, देवालय आश्रम मंदिर, बिटौडिया मंदिर में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर पूजा अर्चना की। पंडित गुलशन शर्मा ने बताया कि सुबह से ही श्रद्धालुओं ने बिल्व पत्र, धतूरा, फूल माला, दूध, दही, शहद आदि से पूजा करने में जुटे रहे। महिलाओं और बच्चों ने दूध के साथ शिव का अभिषेक किया।

टैक्सी स्टैंड पर लगाया भंडारा: महाशिवरात्रि पर्व पर शहर के टैक्सी स्टैंड पर स्थानीय दुकानदारों व टैक्सी चालकों द्वारा भंडारा लगाया गया। मुकेश सोनी, मामन, राजू, रूपचंद, नरेश, सुरेश, रिंकू, सत्ते आदि ने बताया कि लगातार दूसरे वर्ष महाशिवरात्रि पर्व पर भंडारे का आयोजन किया गया है। जिसमें काफी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

बाबा प्रसाद गिरी महाराज मंदिर

टैक्सी स्टैंड

विधायक ने महाशिवरात्रि पर बांटा प्रसाद

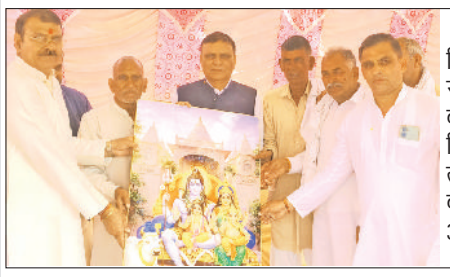

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून को भगवान शिव की तस्वीर भेंट करते आयोजक।

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून ने महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित विभिन्न भंडारों एवं धार्मिक कार्यक्रमों में शिरकत की। उन्होंने बादली रोड स्थित गोपी स्वर शिव मंदिर, नया गांव के शिव शंकर मंदिर, देशलपुर के शिव मंदिर सहित पटेल नगर में आयोजित भंडारे में पहुंचकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और क्षेत्रवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। साथ ही आयोजकों को अपनी तरफ से सहयोग राशि भेंट की। श्रद्धालुओं के साथ प्रसाद वितरण सेवा भी की।

बुराइयों को त्यागने का लिया संकल्प

बहादुरगढ़। शहर की अग्रवाल कॉलोनी स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेवा केंद्र में 90वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। शहर के प्रमुख लोगों ने परमात्मा शिव के ध्वजारोहण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वाइस चेयरमैन पालेराम शर्मा, प्रदीप गुप्ता व पूर्व अध्यक्ष कर्मवीर राठी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने संस्था द्वारा समाज में फैलाई जा रही सकारात्मकता की सराहना की। मुख्य संचालिका बीके अंजलि दीदी ने शिव जयंती के उपलक्ष्य में काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार समेत 5 मुख्य बुराइयों को छोड़ने की प्रेरणा दी। बीके अमृता दीदी और बीके रेणु दीदी ने सभी को शिव जयंती की बधाई दी। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कशिश, पलक, नौमिका और चेष्टा ने भगवान शिव की महिमा में बहुत ही सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। शिव जयंती के उपलक्ष्य में केक काटा गया।

मेडार्क अस्पताल में लगा मेगा हेल्थ कैंप

बहादुरगढ़। कैंप में एक महिला को परामर्श देती चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मेडार्क अस्पताल द्वारा आयोजित मेगा मल्टीस्पेशलिटी हेल्थ कैंप में स्त्री रोग, शिशु रोग, अस्थि रोग एवं सामान्य चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा 100 से अधिक मरीजों की जांच एवं परामर्श दिया गया। शिविर में एएनसी जांच, महिलाओं की स्वास्थ्य समस्याएं, बच्चों के विकास की जांच, हड्डी-जोड़ संबंधी समस्याएं तथा शुगर-बीपी जांच पर विशेष ध्यान दिया गया। मरीजों को रियायती दरों पर जांच एवं परामर्श की सुविधा भी प्रदान की गई। डॉ. धर्मेंद्र राठी ने कहा कि समाज को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवा देने के उद्देश्य से कैंप लगाया गया। उन्होंने क्षेत्रवासियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए विशेष रियायती स्वास्थ्य सेवाओं की घोषणा की है।

शिविर में 228 ने कराई स्वास्थ्य जांच

बहादुरगढ़। कैंप में एक महिला की जांच करते डॉ. संजय सिंह। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। डॉ. संजय मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल की ओर से सेक्टर-7 स्थित पार्क में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित किया गया। अस्पताल की ओर से बदलते मौसम को ध्यान रखते हुए लगाए गए इस शिविर में 228 लोगों की जांच हुई। शिविर में हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. संजय सिंह, फिजिशियन डा. रमेश, डा. दीपेश, डा. आकांक्षा समेत अन्य डॉक्टरों की टीम ने लोगों की जांच की। शिविर के कई व्यक्ति खांसी, गला खराब, बुखार, एलर्जी, फेफड़ों से संबंधित समेत कई अन्य बीमारियों के लक्षणों से ग्रस्त मिले तो कुछ महिलाएं, पुरुष चलने-फिरने दौरान घुटनों में दर्द, जोड़ों में दर्द समेत कई अन्य बीमारियों के लक्षणों से भी ग्रस्त मिले। अस्पताल डायरेक्टर डॉ. संजय सिंह ने बताया कि बदलते मौसम में बीमारियों से बचाव को लेकर हमें अपनी इम्यूनिटी मजबूत करनी जरूरी है। खानपान व स्वास्थ्य के प्रति किसी भी तरह कोई भी लापरवाही न बरतें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। ठंडी चीजों से अभी परहेज करें क्योंकि इससे गला खराब और संक्रमण भी हो सकता है। संक्रमण से बचाव को लेकर स्वच्छता पर भी ध्यान देना चाहिए।

संस्कारम् समूह की स्कॉलरशिप परीक्षा में 700 छात्रों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

महाशिवरात्रि पर्व पर संस्कारम् ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा संस्कारम् स्कॉलरशिप यूनिवर्स 3.0 परीक्षा का आयोजन किया गया। जिले के गांव छारा व बादली में बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर तीन सौ से अधिक विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। छारा केंद्र पर 167 व बादली केंद्र पर 134 विद्यार्थियों ने परीक्षा देते हुए अपनी बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन किया। संस्कारम् समूह के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की और अभिभावकों के अटूट विश्वास के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमारा मूल ध्येय ग्रामीण अंचल की छिपी हुई प्रतिभाओं को तराशना और उन्हें उच्च स्तरीय शिक्षा व सफलता के हर संभव मंच उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि 6 लाख रुपये तक की छात्रवृत्ति और 100 प्रतिशत स्कॉलरशिप जैसी योजनाएं हर उस मेधावी विद्यार्थी के सपनों को हकीकत में बदलेंगी। दूसरी ओर पाटौदा की तरफ से जिले के घाटोली व सुबाना में छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित की गई जिसमें चार सौ विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्राचार्या श्वेता कौशिक ने बताया कि इस प्रकार की परीक्षाएं विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करती हैं और उन्हें अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

सैनीपुरावासियों ने चेयरपर्सन से की जोहड़ के सौंदर्यीकरण की मांग

बहादुरगढ़। नगर परिषद की चेयरपर्सन सरोज राठी ने रविवार को सैनीपुरा का दौरा कर स्थानीय निवासियों की समस्याएं सुनीं। स्थानीय निवासियों ने नाले-नालियों की नियमित सफाई व्यवस्था सुधारने, धर्मशाला के रेनोवेशन तथा सैनीपुरा जोहड़ के सौंदर्यीकरण की मांग रखी। इस अवसर पर पार्षद सविता राजेश सैनी, जेई आशीष यादव तथा एडवोकेट राजेश सैनी भी मौजूद रहे। चेयरपर्सन ने मौके से ही संबंधित अधिकारियों को फोन कर तुरंत सफाई करवाने के निर्देश दिए।

■ चेयरपर्सन ने मौके से ही संबंधित अधिकारियों को फोन कर तुरंत सफाई करवाने के निर्देश दिए

बहादुरगढ़। सैनीपुरा में पड़ी गंदगी देखती चेयरपर्सन।

बीआरजी के धावकों ने किया शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

दिल्ली में हुई रन फॉर एक्सीलेंस और 5वीं हाफ मैराथन में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के धावकों ने शानदार प्रदर्शन किया। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के तत्वावधान में नई दिल्ली में 5वीं हाफ मैराथन आयोजित हुई थी। जिसमें बीआरजी के 20 धावकों ने भाग लिया। सीमा रावत और सन्नी खोखर ने 21 किलोमीटर दौड़ में द्वितीय स्थान हासिल कर 7-7 हजार रुपए का पुरस्कार जीता। विजय, वरुण, पुष्कर, भोजराज टाक, लक्ष्मण, संदीप, गुलाब, शमीम, इब्राहिम, राघव भारद्वाज, धर्मवीर, रजत कौशिक, गुलाब सिंह, विजेंद्र, सत्यवान डागर और अरविंद कुमार सहित अन्य धावकों ने भी सफलतापूर्वक दौड़ पूरी की। बीआरजी से दीपक छिल्लर ने बताया कि द्वारका में हुई रन फॉर एक्सीलेंस में भी बीआरजी के खिलाड़ियों का जोश देखने लायक रहा।

बहादुरगढ़। शानदार प्रदर्शन के बाद खुशी जाहिर करते बीआरजी के धावक।

इन्होंने लगाई दौड़

आशुतोष कुमार सिंह, मिलन आर्य, नरेंद्र जांगड़ा, प्रदीप शौकीन, आरव सिंह, अर्जुन सिंह, पर्व पंवार, शौर्य चंद, वेदांत आर्य, यशवी चंद, अनिल पंवार, सुधीर शौकीन, अभय टेटे, गुरुदत्त रंगा, हीना कटारिया, रोहतास कुमार, संजू सैनी, तनिष्क, उरिरेई देवी, धोली देवी, मुकेश कुमार और रामफल सैनी आदि ने शानदार दौड़ लगाई।

पार्क में लगाया बेलपत्र का पौधा

बहादुरगढ़। सेक्टर-6 के पार्क में पौधा लगाते स्थानीय निवासी। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। शहर के सेक्टर-6 स्थित 14 नंबर पार्क में स्थानीय निवासियों ने मिलकर बेलपत्र का पौधा लगाया। भाजपा नेता रामकंवार सैनी ने बताया कि शिवरात्रि के शुभ अवसर पर बेलपत्र का पौधा रोपा गया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय सैनी, संजीव शर्मा, राजेश मान, रणवीर राठी, डॉ संजय, हरपाल शौकीन, मास्टर वीरेंद्र दहिया, मास्टर रतन लोहचब, वंश सैनी, लक्ष्य सैनी व सागर आदि मौजूद रहे।

विधायक ने आसौदा में किया शेड का उद्घाटन

बहादुरगढ़। गांव आसौदा सिवान के खेल स्टेडियम में विधायक ग्रांट से 5 लाख रुपये में बने टीन शेड का विधायक राजेश जून ने रिबन काटकर उद्घाटन किया। राजेश जून ने बताया कि खेल स्टेडियम में अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों को धूप और बारिश से बचाव के लिए टीन शेड की आवश्यकता थी। ग्रामीणों की मांग को प्राथमिकता देते हुए विधायक ग्रांट से 5 लाख रुपये की राशि स्वीकृत कर टीन शेड स्थापित कराया गया है। जून ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के कुशल नेतृत्व में बहादुरगढ़ हलके में विकास कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं।

आसौदा में तबीयत बिगड़ने से महिला की मौत

बहादुरगढ़। गांव आसौदा में तबीयत बिगड़ने से एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने शव नागरिक अस्पताल में रखवा दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारणों की पुष्टि हो पाएगी। मृतका की पहचान करीब 29 वर्षीय कविता के रूप में हुई है। कविता मूलतः बिहार से थी और यहां परिवार सहित आसौदा में रह रही थी। बताते हैं कि शनिवार को उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन अस्पताल लेकर आए तो मृत घोषित कर दी गई। मामले में आसौदा पुलिस ने फिलहाल घटना को संयोग मानकर कार्रवाई की है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

परीक्षा से पहले परीक्षार्थियों ने बताई सफलता की रणनीति

रोजाना लिखित अभ्यास और सकारात्मक सोच से बदल जाएगा परीक्षा का परिणाम

■ उत्साह के साथ ही हल्की घबराहट दिखाई दे रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की बोर्ड परीक्षाओं के नजदीक आते ही विद्यार्थियों में उत्साह के साथ ही हल्की घबराहट भी देखने को मिल रही है। हालांकि अधिकांश विद्यार्थियों का कहना है कि वे पूरी तैयारी और सकारात्मक सोच के साथ परीक्षा में सफलता हासिल करेंगे। हरिभूमि से बातचीत के दौरान छात्राओं ने अपनी तैयारी की जानकारी दी।

समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान

कक्षा 12वीं की श्वेता मान के अनुसार समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया है। हर विषय के लिए अलग-अलग समय निर्धारित किया है। रोजाना लिखित अभ्यास कर रही हूं ताकि पेपर में उत्तर बेहतर ढंग से लिख सकूं।

पुनरावृत्ति से आत्मविश्वास बढ़ा

निक्की वर्मा का कहना है कि नियमित पुनरावृत्ति से आत्मविश्वास बढ़ा है। पहले थोड़ा डर लग रहा था, लेकिन अब सिलेबस पूरा हो चुका है। तैयारी के दौरान पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र हल करने से काफी मदद मिली है।

कठिन विषयों पर ज्यादा फोकस

दिव्या दराल ने बताया कि बोर्ड परीक्षा उनके करियर के लिए महत्वपूर्ण है। रोजाना कठिन विषयों पर ज्यादा समय दे रही हूं। शिक्षकों से शंकाओं का समाधान करवा रही हूं, ताकि कोई टॉपिक अधूरा न रहे। तनावमुक्त रहकर परीक्षा दूंगी और परिणाम भी उम्मीद अनुसार रहेगा।

परिवार का सहयोग सबसे बड़ी ताकत

जाह्नवी दहिया ने बताया कि परिवार का सहयोग सबसे बड़ी ताकत है। माता-पिता के प्रोत्साहन और शिक्षकों के मार्गदर्शन ने मानसिक रूप से मजबूती दी है। बोर्ड की परीक्षा को लेकर थोड़ा तनाव तो रहता है।

आत्मविश्वास सफलता की कुंजी

अंशू ने बताया कि अनुशासन, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी हैं। वह परीक्षा को बोझ नहीं बल्कि अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मानती हैं।

एचएसएफसी ने जीता फुटबॉल टूर्नामेंट

झज्जर। ईशरहेड़ी सुपर कप सीरीज फुटबॉल टूर्नामेंट में शानदार मुकाबले देखने को मिले। अंडर 14 के फाइनल में एचएसएफसी की टीम ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए ट्राफी पर कब्जा जमाया। टूर्नामेंट में जीत के बाद मैदान पर ही खिलाड़ियों ने जश्न मनाया।